मेवाड़ विवि में सिनेमा की भाषा पर व्याख्यान

गंगरार, 11 जनवरी (जसं.) । मेवाड़ विश्वविद्यालय के मास एंड मीड़िया विभाग में सिनेमा की भाषा विषय पर तीन घंटों का अतिथि व्याख्यान ऑन लाइन आयोजित किया गया।

विवेकानंद इंस्टिट्यूट ऑफ मीडिया प्रोफेशनल नई दिल्ली के सहायक प्रोफेसर डॉ. सुनील कुमार मिश्रा ने सिनेमा की विभिन्न बारीकियों को मास एंड मीडिया विभाग के विद्यार्थियों से साझा किया। प्रोफेसर मिश्रा ने सिनेमा की भाषा विषय पर लेक्चर के दौरान फिल्म मेकिंग, ग्रामर, वर्ल्ड स्पेस, स्क्रीन स्पेस, विजुअल ग्रामर, कम्पोजीशन, कैमरा शॉट, कैमरा मूवमेंट, कैमरा एंगल, कांसेप्ट ऑफ एडिटिंग और साउंड इफेक्ट के बारे में स्टूडेंट्स को जानकारी दी गई। लगभग तीन घंटे के अपने व्याख्यान में डॉ. सुनील मिश्रा ने सिनेमा की भाषा और उससे जुड़े अनेक पहलुओं पर बात करते हुए स्टूडेंट्स के कई जिज्ञासाओं का समाधान भी किया। अतिथि का स्वागत करते हुए मास एंड मीडिया विभागाध्यक्ष सुमित कुमार पाण्डेय ने कहा कि सिनेमा की अपनी एक अलग भाषा होती है, जिसके द्वारा सिनेमा बेहद प्रभावशाली रूप से अपना संदेश आमजन मानस तक पहुंचाने में सफल होता है। अपनी बात कैसे प्रभावशाली ढंग से कही जाये इसकी जानकारी और आवश्यक कौशल मास कम्युनिकेशन के छात्रों को होनी चाहिए।

Jannayak 12-01-2021

छात्रों को बताई सिनेमा भाषा की बारीकियां

चित्तौड़गढ़. मेवाड़ विश्वविद्यालय के मास एण्ड मीडिया विभाग में सिनेमा की भाषा विषय पर तीन घण्टे का अतिथि व्याख्यान ऑनलाइन सम्पन्न हुआ।

अतिथि के रूप में विवेकानंद इंस्टिट्यूट ऑफ मीडिया प्रोफेशनल नई दिल्ली के सहायक प्रोफेसर सुनील कुमार मिश्रा ने सिनेमा की विभिन्न बारीकियों को मास एण्ड मीडिया विभाग के विद्यार्थियों से साझा किया। सहायक प्रोफेसर मिश्रा ने सिनेमा की भाषा विषय पर लेक्चर के दौरान फिल्म मेकिंग ग्रामर एवर्ल्ड स्पेस व स्क्रीन स्पेस, विजुअल ग्रामर एक पॉजीशन, कैमरा शॉट, कैमरा मूवमेंट, कैमरा एंगल, कांसेप्ट ऑफ़एडिटिंग और साउंड इफेक्ट बारे में स्टूडेंट्स को जानकारी दी। लगभग तीन घण्टे के व्याख्यान में मिश्रा ने सिनेमा की भाषा और उससे जुड़े अनेक पहलुओं पर बात करते हुए स्टूडेंट्स के कई जिज्ञासाओं का समाधान भी किया। अतिथि का स्वागत करते हुए मास एंड मीडिया विभागाध्यक्ष सुमित कुमार पाण्डेय ने कहा कि सिनेमा की अपनी एक अलग भाषा होती है, जिसके द्वारा सिनेमा बेहद प्रभावशाली रूप से अपना सन्देश आम जनमानस तक पहुंचाने में सफल होता है। अपनी बात कैसे प्रभावशाली ढंग से कही जाए इसकी जानकारी और आवश्यक कौशल मास कम्युनिकेशन के छात्रों को होनी चाहिए।

Rajasthan Patrika 12-01-2021

मेवाड़ विश्वविद्यालय में सिनेमा की भाषा पर तीन घंटे व्याख्यान

भास्कर संवाददाता | गंगरार

मेवाड़ विश्वविद्यालय के मास एंड मीडिया विभाग में सिनेमा की भाषा विषय पर तीन घंटे ऑनलाइन व्याख्यान हुआ। अतिथि के रूप में विवेकानंद इंस्टिट्यूट ऑफ मीडिया प्रोफेशनल नई दिल्ली के सहायक प्रोफेसर डॉ. सुनील कुमार मिश्रा ने सिनेमा की विभिन्न बारीकियों को मास एंड मीडिया विभाग के विद्यार्थियों से साझा किया। सहायक प्रोफेसर डॉ सुनील कुमार मिश्रा सिनेमा की भाषा विषय पर लेक्चर के दौरान फिल्म मेकिंग ग्रामर एवर्ल्ड स्पेस व स्क्रीन स्पेस एविजुअल ग्रामर एकम्पोजीशन एकैमरा शॉट एकैमरा मूवमेंट एकैमरा एंगल एकांसेप्ट ऑफ़ एडिटिंग और साउंड इफ़ेक्ट बारे में स्टूडेंट्स को जानकारी दी। मास एंड मीडिया विभागाध्यक्ष सुमित कुमार पाण्डेय ने कहा कि सिनेमा की अपनी एक अलग भाषा होती है।

Dainik Bhaskar 12-01-2021